चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पंजाब केसरी
दिनांक 13.3.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 1-6

फसल अवशेष जलाने से हरियाणा व पंजाब को हर साल 2 लाख करोड़ का नुक्सान

- एच.ए.यू. में शुरू हुआ 2 दिवसीय कृषि मेला
- कुलपति ने गुणवत्ताशील फसल उत्पादन एवं कृषि उत्पादों की मार्कीटिंग पर दिया जोर

हिसार, 12 मार्च (योगेंद्र): फसल अवशेष जलाने से हर साल हरियाणा व पंजाब राज्य को करीब 2 लाख करोड़ रुपए का नुक्सान होता है। फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन आज समय की मांग है। इसके लिए एग्रीकल्चर इंजीनियरों को फसल हार्वेस्टर एवं बाइंडर के रूप में सस्ती मशीनें तैयार करने की पहल करनी चाहिए।

यह बात केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र के निदेशक डा. एस.एस. दहिया ने एच.ए.यू. (चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय) में मंगलवार को शुरू हुए 2 दिवसीय कृषि मेले के शुभारंभ अवसर पर कही। इसके पहले हरियाणा तथा पड़ोसी राज्यों से आए हजारों किसानों की उपस्थिति में कुलपति प्रो. के.पी.सिंह ने मेले का उद्घाटन किया। अध्यक्षता लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डा. गुरदयाल सिंह ने की।

कृषि मेले में प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो.के.पी. सिंह व प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करते कुलपति प्रो. के.पी. सिंह।

मौके पर कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए गुणवत्ताशील फसल उत्पादन करने के साथ कृषि उत्पादों की स्वयं मार्कीटिंग करने पर जोर दिया। इससे पूर्व विस्तार शिक्षा निदेशक एवं कृषि मेला संयोजक डा. आर.एस.हुड्डा ने स्वागत भाषण में कृषि प्रौद्योगिकी के किसानों के बीच प्रसार-प्रचार के लिए आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा हाल ही में बेरोजगार ग्रामीण युवाओं को रोजगार के अवसर मुहैया कराने के लिए 19 विषयों में सर्टीफिकेट कोर्स शुरू किए हैं। संयुक्त निदेशक (विस्तार) डा. के.के. यादव ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस अवसर पर कुलपति ने मेला स्थल पर एग्रो इंडस्ट्री प्रदर्शनी में सरकारी और गैर सरकारी एजेंसियों द्वारा कृषि की नवीन प्रौद्योगिकी की किसानों को जानकारी देने के लिए लगाई गई स्टालों का अवलोकन किया। उन्होंने रबी और खरीफ फसलों की समग्र सिफारिशों के द्वितीय संशोधित संस्करणों का भी विमोचन किया। इस अवसर पर जैविक खेती, खाद्य प्रसंस्करण, एकीकृत पोषण प्रबंधन, फसल अवशेष प्रबंधन, जीरो बजट खेती, पशुपालन आदि उम्दा कार्य करने वाले प्रदेश के 19 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया।

इनके अतिरिक्त जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए दीनदयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केन्द्र तथा एग्री टूरिज्म सैंटर स्थापित किए हैं। इसके पीछे उद्देश्य है कि किसानों और उपभोक्ताओं के बीच दलालों को हटाना और किसानों को उनके उत्पादों का सही दाम दिलाना है।

27 विज्ञान केन्द्रों पर बिक्री एवं सहायता केन्द्र खोले गए हैं

कुलपति ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों को खेती की नवीनतम प्रौद्योगिकी के साथ कृषि उत्पादन को अधिक दाम पर बेचने के गुर सिखाने चाहिएं। किसानों की सहायता के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने युवाओं, किसानों और उद्यमियों को मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी और आधारभूत संरचना प्रदान करने के लिए एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सैंटर और इंस्टीच्यूशन इन्नोवेशन सैल शुरू किए हैं। इसी प्रकार कृषि उत्पादों को बेचने में किसानों की मदद करने के लिए गुरुग्राम में एग्रीप्रेन्योरशिप एंड बिजनैस मैनेजमैंट कालेज की शुरूआत की है। इसके अतिरिक्त प्रदेश भर में स्थित इस विश्वविद्यालय के 27 कृषि विज्ञान केन्द्रों और क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों पर बिक्री एवं सहायता केन्द्र खोले गए हैं। इन केन्द्रों पर भी किसान गुणवत्ताशील कृषि उत्पाद बेच सकेंगे।

कृत्रिम गर्भाधारण से मिली निजात

डा. गुरदयाल सिंह ने अध्यक्षीय भाषण में कृषि से अधिक आमदनी के लिए किसानों को खेती के साथ पशुधन पर भी ध्यान देने पर बल दिया। उन्होंने कहा पशुधन की उत्पादकता को बढ़ाने के लिए लुवास में निरंतर नए शोध किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए पशुओं में अब कृत्रिम गर्भाधारण कराने की जरूरत नहीं होगी। लुवास के पास अब उन्नत प्रजातियों के नर व मादा पशुओं के अंडे व शुक्राणु के मेल से भ्रूण तैयार करके सीधा मादा पशु में इस भ्रूण का प्रत्यारोपण करने की तकनीक उपलब्ध है।

उन्होंने कहा इस तकनीक से जन्मी बछड़ी 12 से 15 कि.ग्रा. दूध देगी जिसके लिए इस विश्वविद्यालय द्वारा प्रमाण-पत्र भी दिया जाएगा। यदि भ्रूण प्रत्यारोपण से बछड़ा पैदा हुआ तो उसे यह विश्वविद्यालय किसानों से वापस ले लेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक 13.3.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-5

गुणवत्ताशील खेती के साथ खुद करें अपने उत्पाद की मार्केटिंग : वीसी

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किया मेले का उद्घाटन, मेले में भाग लेने पहुंचे दूसरे राज्यों के किसान

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार को दो दिवसीय कृषि मेला (खरीफ) आरंभ हुआ। हरियाणा तथा पड़ोसी राज्यों से आए हजारों किसानों की उपस्थिति में कुलपति प्रो. केपी सिंह ने मेले का उद्घाटन किया, जबकि लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डॉ. गुरदयाल सिंह ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की। केंद्रीय भैंस अनुसंधान केंद्र के निदेशक डॉ. एसएस दहिया इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किसानों को खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए गुणवत्ताशील फसल उत्पादन करने के साथ कृषि उत्पादों की स्वयं मार्केटिंग करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि हरियाणा कृषि प्रधान राज्य है और इसने कृषि उत्पादन में देश भर में पहचान बनाई है, लेकिन किसान खेती से पूरा लाभ प्राप्त नहीं कर पा रहा है। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से तालमेल बढ़ाने का आह्वान करते हुए किसानों को खेती की नवीनतम प्रौद्योगिकी के साथ कृषि उत्पादन को अधिक दाम पर बेचने के गुर सीखने पर बल दिया।

उन्होंने कहा इस दिशा में किसानों की सहायता के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने युवाओं, किसानों और उद्यमियों को मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी और आधारभूत संरचना प्रदान करने के लिए एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर और इंस्टीट्यूशन इनोवेशन सेल शुरू किए हैं। इसी प्रकार कृषि उत्पादों को बेचने में किसानों की मदद करने के लिए गुरुग्राम में एग्रीप्रिन्योरशिप एंड बिजनेस मैनेजमेंट कॉलेज की शुरुआत की है। इसके अतिरिक्त प्रदेश भर में स्थित इस विश्वविद्यालय के 27 कृषि विज्ञान केंद्रों और क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्रों पर बिक्री एवं सहायता केंद्र खोले गए हैं। इन केंद्रों पर भी किसान गुणवत्ताशील कृषि उत्पाद बेच सकेंगे। इनके अतिरिक्त जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए दीनदयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र तथा एग्री टूरिज्म सेंटर स्थापित किए हैं।

कृषि मेले में प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्य अतिथि प्रो. केपी सिंह व अन्य।

कृत्रिम गर्भाधान की जरूरत नहीं : डॉ. गुरदयाल

डॉ. गुरदयाल सिंह ने अध्यक्षीय भाषण में कृषि से अधिक आमदनी के लिए किसानों को खेती के साथ पशुधन पर ध्यान देने पर बल देते हुए कहा कि पशुधन की उत्पादकता को बढ़ाने के लिए लुवास में निरंतर नए शोध किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए पशुओं में अब कृत्रिम गर्भाधारण कराने की जरूरत नहीं होगी। केंद्रीय भैंस अनुसंधान केंद्र के निदेशक डॉ. एसएस दहिया ने कृषि मेले के विषय को सामयिक बताते हुए कहा कि फसल अवशेष जलाने से पंजाब और हरियाणा राज्यों को प्रतिवर्ष दो लाख करोड़ का नुकसान होता है। फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन बहुत जरूरी है। उन्होंने एग्रीकल्चर इंजीनियरों से फसल हार्वेस्टर और चाइडर के रूप में सस्ती मशीन तैयार करने की अपील की।

19 विषयों में सर्टिफिकेट कोर्स शुरू

इससे पूर्व विस्तार शिक्षा निदेशक एवं कृषि मेला संयोजक डॉ. आरएस हुड्डा ने कहा हाल ही में बेरोजगार ग्रामीण युवाओं को रोजगार के अवसर मुहैया कराने के लिए 19 विषयों में सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किए गए हैं। संयुक्त निदेशक (विस्तार) डॉ. केके यादव ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस अवसर पर कुलपति ने मेला स्थल पर एग्रो इंडस्ट्री प्रदर्शनी में सरकारी और गैर सरकारी एजेंसियों द्वारा कृषि की नवीन प्रौद्योगिकी की किसानों को जानकारी देने के लिए लगाई गई स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने रबी और खरीफ फसलों की समग्र सिफारिशों के द्वितीय संशोधित संस्करणों का भी विमोचन किया।

पहले दिन 28 हजार किसानों ने की शिरकत

मेले में आज 28 हजार से अधिक किसानों की उपस्थिति दर्ज की गई। उन्होंने नए उन्नत बीजों, कृषि विधियों सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी हासिल की। किसानों ने धान, कपास, मूंग, बाजरा आदि की उन्नत किस्मों के लगभग 7 लाख 52 हजार रुपये के बीज, 17 हजार रुपये के फल वाले पौधे, तथा 25 हजार रुपये का कृषि साहित्य खरीदा। मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए किसानों ने मिट्टी के 360 तथा पानी के 820 नमूनों की जांच करवाई। किसानों ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई फसलें भी देखीं तथा उनमें प्रयोग की गई प्रौद्योगिकी के साथ फसल अवशेष प्रबंधन बारे में जानकारी हासिल की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक ट्रिब्यून
दिनांक 13.3.2019 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 1-4

किसानों ने ली उन्नत बीज, कृषि विधियों, सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी की जानकारी

हकृवि में खरीफ कृषि मेला शुरू

28 हजार किसान पहुंचे, 19 को किया सम्मानित

हिसार, 12 मार्च (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज दो दिवसीय कृषि मेला (खरीफ) आरम्भ हुआ। हरियाणा तथा पड़ोसी राज्यों से आये हजारों किसानों की उपस्थिति में कुलपति प्रो. केपी सिंह ने मेले का उद्घाटन किया, जबकि लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डॉ. गुरदयाल सिंह ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की। केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र के निदेशक डॉ. एसएस दहिया इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित हुये।

किसानों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. केपी सिंह ने उन्हें खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए गुणवत्ताशील फसल उत्पादन करने के साथ कृषि उत्पादों की स्वयं मार्केटिंग करने का आह्वान किया। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से तालमेल बढ़ाने का आह्वान करते हुए किसानों को खेती की नवीनतम प्रौद्योगिकी के साथ कृषि उत्पादन को अधिक दाम पर बेचने के गुर सीखने पर बल दिया।

लुवास के कुलपति डॉ. गुरदयाल सिंह ने कृषि से अधिक आमदनी के लिए किसानों को खेती के साथ पशुधन पर भी ध्यान देने पर बल दिया। केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र के निदेशक डॉ. एसएस दहिया ने कृषि मेला के विषय को सामयिक बताया।

इस अवसर पर प्रो. केपी सिंह व डॉ. गुरदियाल सिंह ने मेला स्थल पर एग्रो इंडस्ट्री प्रदर्शनी में सरकारी और गैर सरकारी एजेंसियों द्वारा कृषि की नवीन प्रौद्योगिकी की किसानों को जानकारी देने के लिए लगाई गई स्टालों का अवलोकन किया।

हिसार में मंगलवार को हकृवि में आयोजित खरीफ कृषि मेले में लगाई प्रदर्शनी का अवलोकन करते वीसी प्रो. केपी सिंह व डॉ. गुरदियाल सिंह। -निस

खूब बिका कृषि साहित्य

खरीफ कृषि मेले के पहले दिन विश्वविद्यालय प्रशासन ने 28 हजार से अधिक किसानों पहुंचने का दावा किया। किसानों ने नए उन्नत बीजों, कृषि विधियों सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी हासिल की। मेले में किसानों ने उन्नत किस्मों के लगभग 7 लाख 52 हजार रुपए के बीज, 17 हजार रुपए के फल वाले पौधे, तथा 25 हजार रुपए का कृषि साहित्य खरीदा। इसके अतिरिक्त मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए किसानों ने मिट्टी के 360 तथा पानी के 820 नमूनों की जांच करवाई।

उत्कृष्ट कार्यों पर पुरस्कृत

जैविक खेती, खाद्य प्रसंस्करण, एकीकृत पोषण प्रबंधन, फसल अवशेष प्रबंधन, जीरो बजट खेती, पशुपालन आदि उम्दा कार्य करने वाले प्रदेश के 19 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। इनमें अंबाला कैंट के अंशू, झाबुआ (रेवाड़ी) के जय किशन, दादरी (भिवानी) के विक्रम फोगाट, अलीपुर (फरीदाबाद) के सुनील कुमार, हंसगा (फतेहाबाद) के इन्द्र सिंह, मदानी (झज्जर) के वीरेन्द्र सिंह सहित प्रदेशभर के अन्य किसान शामिल हैं।

समाचार-पत्र का नाम .....
दिनांक 13.3.2019 पृष्ठ सं. ...18..... कॉलम ...1-7.....

खाद और पौधे ऑनलाइन मंगवाने को 550 ने करवाए रजिस्ट्रेशन

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेले में प्रदेशभर से पहुंचे 28 हजार किसानों ने जानी कृषि की नवीन तकनीक

जागरण संवाददाता, हिसार : मौसम विभाग की स्टॉल पर लगी किओस्क मशीन पर अंगुलियां चलाते देख एक वैज्ञानिक ने छात्र से कहा, बेटा जब तुम वैज्ञानिक बनोगे, तब तक हमारे किसान बहुत हाईटेक हो जाएंगे। इस पर छात्र ने कहा, सर वो हाईटेक हो चुके हैं। वो सोचते सब हैं, बस टेक्नोलॉजी समझने में समय लग रहा है। आओ दिखाता हूं, ऑनलाइन खाद और पौधे मंगवाने के लिए किसान कैसे उत्सुक होकर रजिस्ट्रेशन करवा रहे हैं। दोनों बातें करते हुए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाने वाली स्टॉल पर पहुंचे तो एक किसान विद्यार्थियों से कह रहा था, मेरे बेटे के पास मोबाइल है, उसको कहूंगा ऑर्डर करे, तुम खाद घर भेज दोगे न।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चल रहे दो दिवसीय मेले के पहले दिन ये 4 मिनट का वाकया रहा होगा, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि किसान कैसे हर सुविधा का फायदा उठाना चाहते हैं। पहले दिन मेले में ऑनलाइन खाद और पौधे मंगवाने के लिए 550 से अधिक लोगों ने रजिस्ट्रेशन करवाया। बता दें कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने ईमार्ट एचएयू नाम से एक वेबसाइट शुरू की है, जिस पर लोग घर बैठे बाजरा बिस्कुट, केक, कपड़ा उत्पाद, पेय पदार्थ, एक्वेरियम, खाद, कंपोस्ट व विभिन्न मौसमों के अनुसार सजावटी पौधे घर बैठे मंगवा सकते हैं। हालांकि अभी तक 5 किलोमीटर तक होम डिलीवरी हो रही है। गांवों तक में होम डिलिवरी करने के लिए विश्वविद्यालय के विद्यार्थी एवं अधिकारी एक कुरियर कंपनी से टाईअप का प्रयास कर रहे हैं। इससे पहले कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने मेले का शुभारंभ किया। लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डा. गुरदयाल सिंह ने शुभारंभ समारोह की अध्यक्षता की। केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र के निदेशक डा. एसएस दहिया इस अवसर पर बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे।

एचएयू में कृषि मेले के दौरान प्रदर्शनी देखते किसान। • जागरण

25 अप्रैल के बाद बीज मिलने की सूचना से किसान हुए परेशान

ये किसान हुए सम्मानित : इन किसानों में अंबाला कैंट के अंशु, झाबुआ (रेवाड़ी) के जय किशन, दादरी (भिवानी) के विक्रम फोगाट, अलीपुर (फरीदाबाद) के सुनील कुमार, हसंगा (फतेहाबाद) के इन्द्र सिंह, भदानी (झज्जर) के वीरेन्द्र सिंह, खरक रामजी (जींद) के नरेश कुमार, कैथल के कुलवंत, टीकरी (करनाल) के इलम सिंह, ददलू (कुरुक्षेत्र) के हरबीर सिंह, मंडकोला (पलवल) के सतबीर डागर, पालड़ी पनीहारा (महेन्द्रगढ़) के गजराज सिंह, उरलाना कलां (पानीपत) के कुलविन्द्र सिंह, भराण (रोहतक) के फूल कुमार, खरबला (हिसार) के राजपाल, सुलनपुरिया (सिरसा) के सुखविन्द्र सिंह, मनौली (सोनीपत) के पवन चौहान, ऊंचा चांदना (यमुनानगर) के मांगे राम सैनी, बीड़ (पंचकूला) के मनीष कुमार शामिल हैं।

किसान को सम्मानित करते कुलपति प्रो. केपी सिंह और लुवास के कुलपति डा. गुरदियाल सिंह।

कृषि मेले के दौरान प्रदर्शनी में गेहूं की बालियां देखते किसान। • जागरण

एचएयू में कृषि मेले के दौरान प्रदर्शनी देखती छात्राएं। • जागरण

19 किसानों को किया सम्मानित

मेले में प्रदेशभर के 28 हजार से अधिक किसानों हिस्सा लिया। किसानों ने धान, कपास, मूंग, बाजरा आदि की उन्नत किस्मों के लगभग 7 लाख 52 हजार रुपये के बीज, 17 हजार रुपये के फल वाले पौधे, और 25 हजार रुपये का कृषि साहित्य मेले में खरीदा। इसके अलावा किसानों ने मिट्टी के 360 और पानी के 820 नमूनों की जांच करवाई। किसानों ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई फसलें भी देखी और उनमें प्रयोग की गई प्रौद्योगिकी के साथ-साथ फसल अवशेष प्रबंधन बारे में जानकारी हासिल की। मुख्य अतिथि ने जैविक खेती, खाद्य प्रसंस्करण, एकीकृत पोषण प्रबंधन, फसल अवशेष प्रबंधन, जीरो बजट खेती, पशुपालन आदि उम्दा कार्य करने वाले प्रदेश के 19 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। इससे पहले एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह, लुवास के कुलपति गुरदियाल सिंह और भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. सतबीर सांगवान ने मेले का शुभारंभ किया।

20 फीट का गन्ना और एक किलो का पाकिस्तानी प्याज रहे प्रथम : फसल प्रतियोगिता में 20 फुट लंबा गन्ना रहा आर्कषण का केंद्र रहा। जींद के सुंदरपुरा निवासी विकास श्योकंद ने अपने खेत में यह गन्ना लगाया है। हिसार से आर्यनगर निवासी घिसाराम ने भी इसी तरह 20 फुट लंबा गन्ना अपने खेत में लगाया है। इन दोनों किसानों के गन्ने ने फसल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा 14 किलो वजन के शलगम को लेकर कैमरी रोड निवासी झांगीराम नारंग भी पहुंचे, इस कैटेगरी में उन्हें प्रथम स्थान हासिल हुआ। इसके अलावा पाकिस्तानी किस्म का एक किलो वजन का प्याज भी फसल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अड़कवास संगरूर पंजाब के संगरूर जिले के अड़कवास निवासी बलराज पुत्र कौर सिंह इसे लेकर पहुंचे थे। कृषि मेले में किसानों को कपास की फसल के लिए बीज के लिए दिक्कत का सामना करना पड़ा। उन्हें बहुत सारी कपास की किस्मों के बीज नहीं मिले। गांव रामायण अनूप सिंह ने कहा मैं राशि-773 किस्म का बीज लेने के लिए मेले में आया था, लेकिन मुझे नहीं मिल रहा है। अधिकारी बोल रहे है कि 20 दिन बाद आपको यह बीज मिलेगा। वहीं सतबीर सिंह ने कहा कि वह राशि-776 किस्म लेने आये थे, लेकिन नहीं मिली। किसानों ने कहा कि अधिकारियों ने कहा है कि बीज 25 अप्रैल के बाद मिलेंगे। वहीं प्राइवेट कम्पनियों के पास यह बीज उपलब्ध थे। बहुत से किसानों को इन प्राइवेट कंपनियों से ही बीज खरीदना पड़ा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 13.3.2019 पृष्ठ सं. 1 कॉलम 7-8

अब गेहूं में नहीं लगेगा पीला रतुआ, एचएयू ने तैयार की नई किस्म

कृषि मेले में प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए मुख्यअतिथि प्रो. के.पी. सिंह।

संदीप बिटनोई • हिसार

गेहूं में पीला रतुआ रोग से परेशान रहने वाले किसानों के लिए यह खबर राहत देने वाली है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गेहूं विभाग के वैज्ञानिकों ने एक नई किस्म डब्ल्यूएच 1184 तैयार की है जो पीला रतुआ बीमारी का प्रतिरोधक है। राज्य सरकार की तरफ से इस किस्म की स्वीकृति भी मिल गई है मगर अभी राष्ट्रीय स्तर पर इस किस्म का रिलीज होना बाकी है। मंगलवार को विश्वविद्यालय के मेला ग्राउंड में आयोजित कृषि मेले में इस किस्म को किसानों को दिखाने के लिए प्रदर्शित किया गया। वैज्ञानिकों के अनुसार इस किस्म के किसानों तक पहुंचने में एक से डेढ़ साल लगेगा।

चार जिलों में देखा प्रभाव: गेहूं वैज्ञानिकों के अनुसार गेहूं की नई किस्म प्रयोग की कसौटी पर खरी उतर चुकी है। विश्वविद्यालय ने जीटी रोड बेल्ट के सोनीपत, पानीपत, यमुनानगर और अंबाला जिलों में गेहूं में पीला रतुआ की बीमारी का आंकलन किया था। वैज्ञानिकों के अनुसार इन्हीं क्षेत्रों में पीला रतुआ का प्रकोप अधिक है। इस क्षेत्र में नई किस्म के बीज के प्रयोग करने वालों किसानों की फसल में यह समस्या नहीं दिखी।

70 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है अधिकतम उत्पादन

वैज्ञानिकों ने बताया कि डब्ल्यूएच 1184 किस्म का औसत उत्पादन 58 से 60 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। इस किस्म से अधिकतम उत्पादन 70 क्विंटल प्रति हेक्टेयर लिया जा सकता है। इसका दाना मोटा और चमकदार है।

> हमारे वैज्ञानिक प्रदेश के किसानों की आय दोगुनी करने के लिए हर एंगल पर काम कर रहे हैं। नई किस्म विश्वविद्यालय के फार्म पर बेहद सफल साबित हुई है। अब इसे किसानों के खेतों में प्रयोग के तौर पर लगाया है और अभी तक इसमें पीला रतुआ बीमारी नही आई है।
>
> **प्रो. केपी सिंह,** कुलपति, एचएयू।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .... दैनिक भास्कर

दिनांक 13.3.2019 पृष्ठ सं. ...6... कॉलम ...1-8...

खेती में मशीनी क्रांति • एचएयू में दो दिवसीय कृषि मेले में सरकारी और गैर सरकारी एजेंसियों ने की भागीदारी, विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो. केपी सिंह ने किया उद्घाटन

गेहूं बिजाई और कटाई के बाद अब भरोटे बांधने के लिए भी मशीन

भास्कर न्यूज | हिसार

हरित क्रांति और श्वेत क्रांति के बारे में आपने सुना होगा मगर अब मशीन क्रांति का युग है। यहां मशीनें किसानों की खेती में लागत ही नहीं समय को भी बचाने का काम कर रही है। सिर्फ फसल की बिजाई और कटाई ही नहीं बल्कि दूसरे काम करने के लिए मशीनें सामने आ रही है। मंगलवार को एचएयू के मेला ग्राउंड में कृषि मेला आयोजित हुआ। इसमें विभिन्न राज्यों से आए किसानों का रुचि मशीनों में दिखाई दी। इसमें खास तौर पर गेहूं के भरोटे बनाने वाली मशीन शामिल रही। इसमें कंपनी के प्रतिनिधि ने बताया कि यह मशीन किसानों का समय बचाने का काम करती है। इसके साथ ही एक दर्जन से अधिक मशीनें पराली प्रबंधन के लिए किसानों के सामने लाई गई। इस प्रदर्शनी का शुभारंभ कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किया। इसे एग्रो इंडस्ट्री प्रदर्शनी नाम दिया गया, जिसमें सरकारी व गैर सरकारी एजेंसियों ने प्रतिभाग किया था।

कृषि मेला संयोजक डॉ. आरएस हुड्डा ने ग्रामीण युवाओं को रोजगार के अवसर मुहैया कराने के लिए 19 विषयों में सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किए गए हैं। संयुक्त निदेशक (विस्तार) डॉ. केके यादव ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया।

म्हारै कोन्या होंदी इसी कणक... एचएयू के कृषि मेले में मंगलवार को गेहूं की विभिन्न किस्मों की बालियों को देखते किसान।

किसानों ने मिट्टी और पानी के सैकड़ों नमूनों की कराई जांच

किसानों ने मिट्टी के 360 और पानी के 820 नमूनों की जांच करवाई। किसानों ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई फसलें भी देखी तथा उनमें प्रयोग की गई प्रौद्योगिकी के साथ-साथ फसल अवशेष प्रबंधन बारे में जानकारी हासिल की।

अब 15 लीटर दूध देने वाली पैदा होगी कॉफ

दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए पशुओं में अब कृत्रिम गर्भधारण कराने की जरूरत नहीं होगी। लुवास के पास अब उन्नत प्रजातियों के नर व मादा पशुओं के अण्डे व शुक्राणु के मेल से भ्रूण तैयार करके सीधा मादा पशु में इस भ्रूण का प्रत्यारोपण करने की तकनीक उपलब्ध है जिसका किसानों को लाभ उठाना चाहिए। लुवास के कुलपति डॉ. गुरदियाल सिंह ने बताया कि इस तकनीक से जन्मी बछड़ी 12 से 15 किलो दूध देगी जिसके लिए इस विश्वविद्यालय द्वारा प्रमाण-पत्र भी दिया जाएगा। यदि भ्रूण प्रत्यारोपण से बछड़ा पैदा हुआ तो उसे लुवास विश्वविद्यालय किसानों से वापिस ले लेगा।

कृषि मेले में गेहूं के भरोटे बनाने वाली मशीन को देखते किसान।

फसल अवशेष है हर साल 2 लाख करोड़ का हो रहा नुकसान

फसल अवशेष जलाने से पंजाब और हरियाणा राज्यों को प्रतिवर्ष दो लाख करोड़ का नुकसान होता है। केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र के निदेशक डॉ. एसएस दहिया ने बताया कि एक ओर हम चारे को जला रहे हैं जबकि दूसरी ओर हजारों की संख्या में पशु चारे की तलाश में सड़कों पर घूम रहे हैं। फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन बहुत जरूरी है। उन्होंने एग्रीकल्चर इंजीनियरों से फसल हार्वेस्टर और बाइंडर के रूप में सस्ती मशीन तैयार करने की अपील की।

कृषि मेले से बीज खरीदकर अपने गांव वापस लौटते किसान।

किसानों ने लगाई स्टॉल, ढाई किलो की मूली, तीन किलो का शलगम

एचएयू के कृषि मेले में प्रगतिशील किसानों ने अपनी फसलों के साथ स्टॉल लगाई। सिरसा कैथी के किसान ढाई किलो की मूली लेकर मेले में पहुंचे, जिसने देखा वह अपने आपको इसकी जानकारी लिए बिना रोक नहीं पाया। सिर्फ मूली ही नहीं बल्कि 3 किलो का शलगम, आधा किलो की प्याज, एक फुट की गाजर, गेहूं व ईख की मोटाई व लंबाई सामान्य से भी अधिक थी। ऐसे में इन किसानों ने इन फसलों को करने के तरीकों के बारे में जाना। कृषि विभाग ने इनकी लंबाई व आकार देखते हुए सर्टिफिकेट भी दिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......हरि भूमि......

दिनांक 13.3.2019 पृष्ठ सं. 14 कॉलम 2-6

फसल अवशेष जलाने से प्रतिवर्ष दो लाख करोड़ का होता नुकसान : दहिया

दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए कृत्रिम गर्भाधान की जरूरत नहीं: वीसी

- हाल ही में बेरोजगार ग्रामीण युवाओं को रोजगार के अवसर मुहैया कराने के लिए 19 विषयों में सर्टीफिकेट कोर्स शुरू किए

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

लुवास कुलपति डॉ. गुरदयाल सिंह ने कहा पशुधन की उत्पादकता को बढ़ाने के लिए लुवास में निरंतर शोध जारी हैं। उन्होंने कहा दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए पशुओं में अब कृत्रिम गर्भाधारण कराने की जरूरत नहीं होगी।

लुवास के पास अब उन्नत प्रजातियों के नर तथा मादा पशुओं के अंडे तथा शुक्राणु के मेल से भ्रूण तैयार करके सीधा मादा पशु में इस भ्रूण का प्रत्यारोपण करने की तकनीक उपलब्ध है जिसका किसानो को लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा इस तकनीक से जन्मी बछड़ी 12 से 15 किलोग्राम दूध देगी जिसके लिए इस विश्वविद्यालय द्वारा प्रमाण-पत्र भी दिया जायेगा।

हिसार। कृषि मेले का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि प्रो. केपी सिंह।

फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन बहुत जरूरी

केन्द्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र के निदेशक डॉ. एसएस दहिया ने कहा कि फसल अवशेष जलाने से पंजाब और हरियाणा राज्यों को प्रतिवर्ष दो लाख करोड़ का नुकसान होता है। उन्होंने कहा एक ओर हम चारे को जला रहे हैं जबकि दूसरी ओर हजारों की संख्या में पशु चारे की तलाश में सड़कों पर घूम रहे हैं। उन्होंने कहा फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन बहुत जरूरी है। उन्होंने एग्रीकल्चर इंजीनियरों से फसल हार्वेस्टर और बाइंडर के रूप में सस्ती मशीन तैयार करने की अपील की।

विस्तार शिक्षा निदेशक एवं कृषि मेला संयोजक डॉ. आरएस हुड्डा ने स्वागत भाषण में कृषि प्रौद्योगिकी के किसानों के बीच प्रसार-प्रचार के लिए आयोजित किये जा रहे कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा हाल ही में बेरोजगार ग्रामीण युवाओं को रोजगार के अवसर मुहैया कराने के लिए 19 विषयों में सर्टीफिकेट कोर्स शुरू किये गये हैं। संयुक्त निदेशक विस्तार डॉ. केके यादव ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया।

किसानों को किया सम्मानित

मुख्य अतिथि ने जैविक खेती, खाद्य प्रसंस्करण, एकीकृत पोषण प्रबंधन, फसल अवशेष प्रबंधन, जीरो बजट खेती, पशुपालन आदि उम्दा कार्य करने वाले प्रदेश के 19 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। इन किसानों में अंबाला कैंट के अंशु, झाबुआ रेवाड़ी के जयकिशन, दादरी के विक्रम फोगाट, अलीपुर फरीदाबाद के सुनील कुमार, हंसगा फतेहाबाद के इन्द्र सिंह, भदानी झज्जर के विरेन्द्र सिंह, खरक रामजी जींद के नरेश कुमार, कैथल के कुलवंत, टीकरी करनाल के इलम सिंह, ददलू कुरूक्षेत्र के हरबीर सिंह, मंडकोला पलवल के सतबीर डागर, पालड़ी पनीहारा महेन्द्रगढ़ के गजराज सिंह, उरलाना कलां पानीपत के कुलविन्द्र सिंह, भराण रोहतक के फूल कुमार, खरबला हिसार के राजपाल, सुलनपुरिया सिरसा के सुखविन्द्र सिंह, मनौली सोनीपत के पवन चौहान, ऊंचा चांदना यमुनानगर के मांगेराम सैनी, बीड़ पंचकुला के मनीष कुमार शामिल हैं।

कपास के बीज के लिए भटके किसान

हिसार। हकृवि के कृषि मेले में कपास के बीज के लिए किसान भटकते रहे। हकृवि में आरडीएस सीड फार्म के वी. एनएफएल और हरियाणा बीज विकास निगम लिमिटेड का एक एक काउंटर लगाया गया था। हकृवि मेले में कपास की फसल के लिए विवि के बीज के लिए पहुंचे किसानों को निराशा हाथ लगी। हकृवि के काउंटर पर सिर्फ ग्वार, मूंग और अरहर के बीज उपलब्ध थे। हिसार के आसपास का एरिया कपास उत्पादक है। यहां सिरसा, फतेहाबाद, भिवानी जिले से भी किसान कपास का बीज खरीदने के लिए पहुंचे थे। हकृवि में सोमवार को ही कपास उत्पादन को लेकर संगोष्ठी भी आयोजित की गई है।

पहले दिन 28 हजार किसानों ने की शिरकत

कृषि मेले में आज 28 हजार से अधिक किसानों की उपस्थिति दर्ज की गई। उन्होंने नए उन्नत बीजों, कृषि विधियों सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी हासिल की। मेले में आगामी खरीफ फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया जहां किसानों ने धान, मूंग, बाजरा आदि की उन्नत किस्मों के लगभग 7 लाख 52 हजार रुपये के बीज, 17 हजार रुपये के फल वाले पौधे, तथा 25 हजार रुपये का कृषि साहित्य खरीदा। इसके अतिरिक्त मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए किसानों ने मिट्टी के 360 तथा पानी के 820 नमूनों की जांच करवाई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....हरि. भूमि....

दिनांक 13.3.2019 पृष्ठ सं. 13 कॉलम 2-3

कृषि उत्पादों की मार्केटिंग करें किसान : प्रो. केपी सिंह

हिसार। हकृवि में आज दो दिवसीय कृषि मेला आरंभ हुआ। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने मेले का उदघाटन किया। जबकि लुवास कुलपति डॉ. गुरदयाल सिंह ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की। केंद्रीय भैंस अनुसंधान केन्द्र के निदेशक डॉ. एसएस दहिया इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित हुये। इस अवसर पर किसानों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. केपी सिंह ने उन्हें खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए गुणवत्ताशील फसल उत्पादन क रने के साथ कृषि उत्पादों की स्वयं मार्केटिंग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा हरियाणा कृषि प्रधान राज्य है और इसने कृषि उत्पादन में देश भर में पहचान बनाई है। लेकिन किसान खेती से पूरा लाभ प्राप्त नहीं कर पा रहा है। कृषि उत्पादों को बेचने में किसानों की मदद करने के लिए गुरूग्राम में एग्रीप्रेन्योरशिप एंड बिजनेस मैनेजमैंट कॉलेज की शुरूआत की है। इसके अतिरिक्त प्रदेश भर में स्थित इस विश्वविद्यालय के 27 कृषि विज्ञान केन्द्रों और क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों पर बिक्री एवं सहायता केन्द्र खोले गये हैं। इनके अतिरिक्त जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए दीनदयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केन्द्र तथा एग्री टूरिज्म सेंटर स्थापित किए हैं। फोटो: हरिभूमि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 13.3.2019 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 1-3

एचएयू में दो दिवसीय कृषि मेला शुरू, देशभर पहुंचे 28 हजार किसान

खेती से पूरा लाभ लेने को किसानों और कृषि वैज्ञानिकों में तालमेल जरूरी: प्रो. केपी सिंह

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू में मंगलवार को खरीफ सीजन के दो दिवसीय कृषि मेले का शुभारंभ कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लुवास के कुलपति ,डॉ. गुरदियाल सिंह, विशिष्ट अतिथि सीआईआरबी के निदेशक डॉ. एसएस दहिया रहे। पहले दिन मेले में हरियाणा ही नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश, पंजाब सहित अन्य राज्यों से करीब 28 हजार किसान पहुंचे। किसानों ने मेले में 244 स्टॉलों पर नए उन्नत बीजों, कृषि विधियों सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी हासिल की।

मेले में मुख्य अतिथि ने प्रदेश के 19 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। इन किसानों में अम्बाला कैंट के अंशु, रेवाड़ी के गांव झाबुआ के जय किशन, दादरी के विक्रम फोगाट, फरीदाबाद के गांव अलीपुर के सुनील कुमार, फतेहाबाद के गांव हंसगा के इन्द्र सिंह, झज्जर के गांव भदानी निवासी विरेन्द्र सिंह, जींद के गांव खरक रामजी निवासी नरेश कुमार, कैथल के कुलवंत, करनाल के गांव टीकरी के इलम सिंह, कुरुक्षेत्र के गांव ददलू निवासी हरबीर सिंह, पलवल क गांव मंडकोला के सतबीर डागर, महेंद्रगढ़ के गांव पालड़ी पनीहारा के गजराज सिंह, उरलाना कलां के कुलविन्द्र सिंह, भराण के फूल कुमार, खरबला के राजपाल, सुलनपुरिया के सुखविन्द्र सिंह, मनौली के पवन चौहान, यमुनानगर के गांव ऊंचा चांदना निवासी मांगे राम सैनी, बीड़ पंचकूला के मनीष कुमार शामिल हैं।

हिसार | एचएयू के कृषि मेले में गेहूं की बालियां देखती महिला।

जानिए... किसानों की आय दोगुनी करने को 3 बड़े कदम

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि अच्छी फसल उत्पादन के साथ कृषि उत्पादों की ब्रांडिंग और मार्केटिंग की ओर किसानों को बढ़ना चाहिए। हरियाणा ने कृषि के क्षेत्र में देश में अलग पहचान बनाई है। मगर किसानों को खेती से पूरा लाभ प्राप्त नहीं हो रहा। इसकी बड़ी वजह किसान व कृषि वैज्ञानिकों में तालमेल की जरूरत है। किसानों को खेती की नवीनतम प्रौद्योगिकी के साथ कृषि उत्पादन को अधिक दाम पर बेचने के गुर सीखना चाहिए।

1. एग्री बिजनेस इनोवेशन सेल : एचएयू ने एग्री बिजनेस इन्कयूबेशन सेंटर और इंस्टीट्यूशन इनोवेशन सेल शुरू किए हैं, ताकि किसान सिर्फ खेती तक ही सीमित नहीं रहें। क्रिएटिव आइडिया से किसानों को कृषि उत्पादों को बिजनेस तक ले जाने में भी मदद मिलेगी।

2. जैविक खेती उत्कृष्टता केन्द्र : जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए दीनदयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केन्द्र और एग्री टूरिज्म सेंटर स्थापित किए हैं। जिनके माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाएगा। जैविक खेती के जरिए आ रहे उत्पादों की मार्केट में डिमांड भी अच्छी है।

3. उत्पाद बेचने के गुर सिखाने को बिजनेस मैनेजमेंट कॉलेज

कृषि उत्पादों को बेचने में किसानों की मदद करने के लिए गुड़गांव में एग्रीप्रिन्योरशिप एंड बिजनेस मैनेजमेंट कॉलेज की शुरुआत की गई है। इसके अतिरिक्त प्रदेशभर में इस विश्वविद्यालय के 27 कृषि विज्ञान केन्द्रों और क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों पर बिक्री एवं सहायता केंद्र खोले गए हैं। इन केन्द्रों पर भी किसान गुणवत्ताशील कृषि उत्पाद बेच सकेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....

दिनांक 13.3.2019 पृष्ठ सं. ....5..... कॉलम .....3-5.....

कृषि मेले के दौरान फसल कटाई मशीन की जानकारी लेती छात्रा।

एचएयू के कृषि मेले में भाग लेने पहुंचे दूसरे राज्यों के किसान

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार को दो दिवसीय कृषि मेला (खरीफ) आरंभ हुआ। हरियाणा तथा पड़ोसी राज्यों से आए हजारों किसानों की उपस्थिति में कुलपति प्रो. केपी सिंह ने मेले का उद्घाटन किया, जबकि लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डॉ. गुरदयाल सिंह ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की। केंद्रीय भैंस अनुसंधान केंद्र के निदेशक डॉ. एसएस दहिया इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किसानों को खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए गुणवत्ताशील फसल उत्पादन करने के साथ कृषि उत्पादों की स्वयं मार्केटिंग करने का आह्वान किया।

19 प्रगतिशील किसान सम्मानित

मुख्य अतिथि ने जैविक खेती, खाद्य प्रसंस्करण, एकीकृत पोषण प्रबंधन, फसल अवशेष प्रबंधन, जीरो बजट खेती, पशुपालन आदि उम्दा कार्य करने वाले प्रदेश के 19 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। इन किसानों में अंबाला कैंट के अंशु, झाबुआ (रेवाड़ी) के जयकिशन, दादरी (भिवानी) के विक्रम फौगाट, अलीपुर (फरीदाबाद) के सुनील कुमार, हंसगा (फतेहाबाद) के इंद्र सिंह, भदानी (झज्जर) के विरेंद्र सिंह, खरक रामजी (जींद) के नरेश कुमार, कैथल के कुलवंत, टीकरी (करनाल) के इलम सिंह, ददलू (कुरुक्षेत्र) के हरबीर सिंह, मंडकोला (पलवल) के सतबीर डागर, पालड़ी पनीहारा (महेंद्रगढ़) के गजराज सिंह, उरलाना कलां (पानीपत) के कुलविंद्र सिंह, भराण (रोहतक) के फूल कुमार, खरबला (हिसार) के राजपाल, सुलनपुरिया (सिरसा) के सुखविंद्र सिंह, मनौली (सोनीपत) के पवन चौहान, ऊंचा चांदना (यमुनानगर) के मांगेराम सैनी, बीड़ (पंचकूला) के मनीष कुमार शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....

दिनांक 13.3.2019 पृष्ठ सं. ....3..... कॉलम ....6-8.....

ई-मौसम एप से किसान लें मौसम का पूर्वानुमान व फसल प्रबंधन की जानकारी

कृषि मेले में एचएयू के मौसम विभाग के अधिकारियों ने लगाई स्टॉल

संदीप रामायण

हिसार। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि किसानों को फसलों की बिजाई से लेकर फसलों की कटाई तक के सारे के कार्य मौसम के अनुसार करने चाहिए। ये तभी संभव है जब किसानों को मौसम की जानकारी होगी। किसानों को मौसम के पूर्वानुमान व फसल संबंधी अन्य जानकारी प्रदान करने के लिए की एचएयू के मौसम विभाग ने ई-मौसम एचएयू मोबाइल एप जारी किया है।

कृषि अधिकारियों ने किसानों के मोबाइल में एप कराया डाउनलोड

मंगलवार को एचएयू में आयोजित खरीफ कृषि मेले में मौसम विभाग एचएयू ने ई-मौसम एप संबंधित स्टॉल लगाई। स्टॉल पर किसानों को एप डाउनलोड करवाई गई व किसानों को मौसम विभाग से जुड़े रहने के बारे में जागरूक किया गया। मौसम विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एमएल खीचड़ ने स्टॉल का संचालन किया।

जानकारी देते मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एमएल खीचड़।

मैं हर कृषि मेले में आता हूं। हर बार नई जानकारी लेकर जाता है। कृषि मेले से मिली जानकारी के कारण मैं अपने खेत में अच्छी पैदावार लेता हूं।
- सुखीराम, पूर्व सरपंच बड़सी।

कृषि मेले में किसानों को नई मशीनें, नई किस्म के बीज व खाद की जानकारी मिलती है। कृषि संबंधित अधिकारियों व विशेषज्ञों से बातचीत होती है।
- रामसिंह, किसान गंगवा।

मैं पहले परंपरागत खेती करता था। सम्मानित होते किसानों को देखकर मैंने भी सोच लिया है कि मैं अब जड़ी-बूटी, औषधीय खेती करूंगा व इस तरह सम्मानित होऊंगा।
- सीताराम किसान, गांव सुंडावास।

किसान इस प्रकार उठाएं एप का लाभ

मौसम विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एमएल खीचड़ ने बताया कि एंडरॉयड मोबाइल के प्ले स्टोर में जाकर ई मौसम एचएयू सर्च करके इस एप को इंस्टॉल कर सकते हैं। इसके अलावा ई मौसम एचएयू की वेबसाइट पर भी हम मौसम का पूर्वानुमान जान सकते हैं। किसान टोल फ्री नंबर 18001803001 पर भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

ई-मौसम एप से ये मिलेंगी जानकारी

- जिलेवार मौसम पूर्वानुमान।
- वैज्ञानिक तरीके से फसल प्रबंधन।
- मौसम आधारित कृषि सलाह।
- अपडेटिड सेटेलाइट चित्र।
- फसलों के कीटों व रोगों का सचित्र विवरण व रोकथाम का उपाय।
- वैज्ञानिक एवं कृषि संबंधित अधिकारियों के मोबाइल नंबर।
- कृषि संबंधित साप्ताहिक सूचनाएं।
- किसानों की समस्या के समाधान संबंधित सूचनाएं।

ये होंगे फायदे

इस एप् के माध्यम से किसानों को जिलेवार मौसम का पूर्वानुमान की जानकारी मिलेगी। वैज्ञानिक तरीके से फसल प्रबंधन की जानकारी मिलेगी। मौसम के आधारित कृषि करने की सलाह भी दी जाएगी।

समाचार-पत्र का नाम अमर उजाला

दिनांक 13.3.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-8

कृषि मेले के दौरान हरियाणवी गीत पर डांस करतीं रोहतक की छात्राएं।

कृषि मेले के दौरान स्टॉल देखती महिला।

कृषि मेले के दौरान स्टॉल पर

अब किसान ऑनलाइन खरीद सकेंगे जैविक और केंचुआ खाद

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विद्यालय ये किसान अब ऑनलाइन जैव खाद, केंचुआ खाद व अन्य खाद सहित सजावटी पौधे भी खरीद सकते हैं।

इसके लिए किसानों को एचएयू ई-मार्ट की वेबसाइट पर अपना पंजीकरण करवाना होगा। किसानों को ऑनलाइन खरीदारी करने के लिए हरियाणा कृषि विभाग ने एचएयू ई-मार्ट वेबसाइट की शुरुआत की है। इस साइस पर पंजीकरण करते ही किसान ऑनलाइन खरीदारी करने के योग्य हो जाता है। किसान केवल उन्हीं पदार्थों की खरीदारी कर सकता है, जो पदार्थ वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे। एचएयू के विद्यार्थियों द्वारा स्टॉल लगाई मंगलवार को एचएयू में लगे कृषि मेले में गई। स्टॉल में किसानों को ई-मार्ट

एचएयू में कृषि मेले से बीज खरीद कर ले जाता किसान।

कृषि मेले में ई-मार्ट वेबसाइट के लिए पंजीकरण करवाते किसान।

कृषि मेले में किया किसानों का पंजीकरण

वेबसाइट के बारे में जागृत किया गया। किसान अपने घर बैठे भी एचएयू वेबसाइट पर ई-मार्ट वेबसाइट पर जाकर अपना पंजीकरण कर सकते हैं।

ई-मार्ट से ये खरीद सकते हैं सामान

बाजरा बिस्कुट, केक, मफिन, नान खटाई, आंवला कैंडी, आम का रस, अनार का रस, बेल स्कवैश, केंचुआ खाद, जैव खाद, अन्य खाद, कढ़ाई बेड शीट, सब्जी थैला, डबल और सिंगल बेड चादर, मछली घर, विभिन्न मौसम के अनुसार सजावटी पौधे उपलब्ध हैं।